कयामत के फितनो और उस्की निशानियाँ (बुखारी शरीफ)

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे बुखारी शरीफ हिन्दी.

नोटः- 'हदीष की रिवायत का खुलासा है'.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

टॉपिक्स

1) जाहिलीयत के जैसी मौत मरेंगा

2) जो ज़माना गुज़रेंग वो पहले से ज़्यादा बुरा (बदतर) होगा

3) ऐसे फितने ज़ाहिर होंगे

4) आदमी मोमिन है या काफिर

5) कयामत उस वकत तक कायम ना होंगी जब तक

1) जाहिलीयत के जैसी मौत मरेंगा

*रावी हज़रत इब्ने अब्बास रदी| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया : जो शख्स अपने अमीर से कोई बुराई होती देखे तो उसपर सबर करे, क्युकि जो शख्स इस्लामी हुकुमरानो की फरमाबरदारी से एक बालिश्त भी बाहर हुवा तो वो जाहिलीयत के जैसी मौत मरेंगा.

*रावी हज़रत उबादा बिन सामित रदी| रसूलुल्लाहﷺ ने हमे बुलाया तो हमने आप से बैअत की और बैअत में आपने हम से ये इकरार लिया की खुशी व नाखुशी और तंगी व फरानी गर्ज की हर हाल में आपका हुक्म सुनेंगे और उसपर अमल करेंगे, अगरचे हम पर दूसरों को तरजीह ही क्यों ना दी जाए, और आपने ये भी इकरार लिया की सल्तनत के बारे में हम हुक्मरानों से झगडा नहीं करेंगे मगर उस सूरत में की जब तुम उसे खुले तौर पर कुफ्र करते देखो, ऐसा कुफ्र की जिस्के मुताल्लिक अल्लाह तआला की तरफ से तुम्हारे पास दलील भी मौजूद हो.

वज़ाहत - जब तक हाकिमे वकत के किसी कौल व फेल की कोई शरई मतलब निकाला जा सकता हो उस वकत तक उस्के खिलाफ बगावत करना जायज़ नहीं, अगर वो खुले तौर पर शरीअत के खिलाफ काम करे या उन्का हुक्म दे तो उसपर एतराज़ करना दुरूस्त है, अगर वो ना माने तो ऐसे हालात में उस्का हुक्म मानना लाज़िम नहीं है. (फत्हुल बारी)

2) जो ज़माना गुज़रेंग वो पहले से ज़्यादा बुरा (बदतर) होगा

*रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसउद रदी| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया : बहुत बुरी (बदतरीन) मख्लूक में से वे लोग हें

जिन्की ज़िन्दगी में कयामत आ-जाएंगी.

वज़ाहत- इसलिए की वो फितनों के ज़ाहिर होने का वकत होगा और कयामत के नज़दीक अच्छे लोग उठा लिए जाएंगे. (फत्हुल बारी)

*रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया : तुम्मे से कोई शख्स अपने भाई की तरफ हथियार से इशारा ना करे, क्योंकि मुम्कीन है की शैतान उस्के हाथ से उसे नुकसान पोहुंचा दे जिस्की वजह से ये शख्स जहन्नम में गिर पडे.

वज़ाहत- किसी मुसलमान को डराने धमकाने के लिए भी हथियार से इशारा करना बहुत बडा गुनाह है, अगर हथियार से उसे नुकसान पोहुंचाया जाए तो अल्लाह तआला के यहा सख्त अज़ाब से दोचार होने का अन्देशा है. चाहे संजीदगी से ऐसा किया जाए या मज़ाक से. (फत्हुल बारी)

*रावी हज़रत अनस रदी| जब मुझसे उन मुसीबतो की शिकायत की गई जो लोगो को हज्जाज बिन यूसुफ से पोहंची थी तो मेने कहा की सबर करो तुमपर जो ज़माना गुज़रेंग वो पहले से ज़्यादा बुरा होगा, यहा तक्की तुम अल्लाह से मिल जाओ. मेने ये बात रसूलुल्लाहﷺ से सुनी है.

3) ऐसे फितने ज़ाहिर होंगे

*रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया : बहुत जल्द ऐसे फितने ज़ाहिर होंगे की बैठा हुआ शख्स चलने वाले से और चलने वाला दौडने वाले से बेहतर होगा, जो शख्स दूर से भी उन्मे झाकेगा तो वे फितने उस्को भी समेट लेंगे, लिहाज़ा ऐसे हालात में इन्सान जहा कहीं कोई पनाह की जगह पाए उस्मे पनाह हासिल करले.

वज़ाहत- इस्से मुराद वो फितना है जो मुसलमानों में सत्ता और हुकूमत के हासिल करने की खातिर ज़ाहिर हो और ये मालूम ना हो सके की हक किस तरफ है, ऐसे हालात में सबसे अलग थलग रहने और एक कोना पकड लेने में ही आफियत है. (फत्हुल बारी)

*रावी हज़रत सलमा बिन अकवा रदी| में हज्जाज बिन यूसुफ के पास गया, हज्जाज बिन यूसुफ ने मुझसे कहा ऐ इब्ने अकवा आप एडियों के बल फिर गए और जंगल के रहने वाले बन गए. हज़रत सलमा (रदी) ने कहा ऐसा नहीं, बल्की रसूलुल्लाहﷺ ने मुझे जंगल में रहने की खास इजाजत दी थी.

वज़ाहत- अगर शहर या आबादी में रहना फितने का सब्ब हो तो उस सूरत में जंगल में रहना बेहतर है.

4) आदमी मोमिन है या काफिर

*रावी हज़रत इब्ने उमर रदी| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया : जब अल्लाह तआला किसी कौम पर अज़ाब नाज़िल फरमाते हें तो वो अज़ाब कौम के तमाम लोगों को पोहुंचता है, फिर कयामत के दिन वे अपने अपने आमाल के मुताबिक उठाए जाएंगे.

*रावी हज़रत हुज़ैफा रदी| निफाक तो रसूलुल्लाहﷺ के ज़माने में था, अब ईमान के बाद तो कुफ्र है. यानी इस ज़माने में आदमी मोमिन है या काफिर.

वज़ाहत- हज़रत हुज़ैफा (रदी) का मतलब ये है की रसूलुल्लाहﷺ की वफात के बाद चूकि वही का सिलसिला बन्द हो गया है इसलिए किसी के मुताल्लिक मुनाफकत (ज़ाहिर में मुसलमान और अन्दर से काफिर होने) का हुक्म नहीं लगाया जा सकता, इसलिए की किसी के दिल का हाल मालूम नहीं हो सकता. (फत्हुल बारी)

5) कयामत उस वकत तक कायम ना होंगी जब तक

*रावी अबू हुरैरह रदी|रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया : कयामत उस वकत तक कायम ना होंगी जब तक ऐसे दो बडे-बडे गिरोहों में लडाई ना हो जिनका दावा एक होगा. उनके दरमियान खूब खून बहेंगा तथा कयामत उस वकत तक नहीं आएंगी जहा तक्की ३०

के करीब झूठे दज्जाल पैदा होंगे और उन्मे से हर एक ये दावा करेंगा की में अल्लाह तआला का रसूल हू.

और कयामत के करीब इल्म उठा लिया जाएगा, भूकंपों की कसरत होंगी, वकत जल्द-जल्द गुज़रेंग. फितने ज़ाहिर होंगे और कसरत से खून बहाया जाएगा.

माल की इतनी अधिकता होंगी की वो पानी की तरह बहता फिरेगा, इस कदर की माल वाले को फिकर लगी होंगी की उस्का सदका कोई कुबूल करे, वो किसी के सामने उसे पेश करेंगा तो वो जवाब देगा की मुझे इस्की ज़रूरत नहीं है और लोग खूब लम्बी-लम्बी इमारतें फक्र के तौर पर तामीर करेंगे और यहा तक्की एक शख्स दूसरे की कबर से गुज़रेंग और कहेंगा काश में इस्की जगह होता.

फिर सूरज पश्चिम की तरफ से निकलेंगा, जब उधर से निकलेंगा तो सब देख लेंगे, फिर सब के सब अल्लाह तआला पर ईमान लायेंगे लेकिन वो ऐसा वकत होगा की किसी नफ्स को ईमान लाना नफा ना देगा जो उस्से पहले ईमान ना लाया था, और ना ही उस्ने ईमान की हालत में कोई नेकी की थी.

और कयामत इतनी जल्दी कायम हो जाएंगी की दो आदमी आपस में खरीद व फरोख्त कर रहे होंगे, उन्होंने अपने आगे कपडे का थान फैलाया होगा, ना वे सौदे को पक्का कर सकेंगे और ना ही थान

को लपेट सकेंगे की कयामत आ-जाएंगी.
एक शख्स अपनी उटनी का दूध लेकर चला होगा तो वो उस्को पी-भी नहीं सकेगा की कयामत आ-जाएंगी, और कुछ लोग हौज़ की मरम्मत कर रहे होंगे वे अपने जानवरों को उस्से पानी भी नहीं पिला सकेंगे की कयामत आ-जाएंगी, और कोई आदमी निवाला मुह तक उठा चुका होगा अभी उसे खा-भी ना सकेगा की कयामत कायम हो जाएंगी.
वज़ाहत- इस हदीस में कयामत की तीन तरह की निशानियाँ बयान हुई हें. पहली किस्म कत्ल व गारत की ज़्यादती. दूसरी भूकंपों की अधिकता. तीसरी सूरज का पश्चिम से निकलना. पहली दो तो तकरीबन ज़ाहिर हो चुकी हें और तीसरी अभी ज़ाहिर नहीं हुई है जो इन्शाअल्लाह आईन्दा ज़ाहिर होंगी. (फत्हुल बारी)

*रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी| रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया : वो ज़माना करीब है की फुरात दरिया से एक सोने का खज़ाना ज़ाहिर होगा जो वहा मौजूद हो वो उस्मे से कुछ ना-ले.
वज़ाहत- इस खज़ाने के हासिल होने पर बहुत कत्ल व गारत होंगी. एक हदीस में है की सौ आदमियों में से निन्नानवे (९९) मारे जाएंगे सिर्फ एक ज़िन्दा बचेंगा, हर आदमी यही कहेंगा की में इस खज़ाने को हासिल करने में कामयाब हो जाउंगा. (फत्हुल बारी)